

कार्यशालाओं में पांडुलिपियों के लिए आपदा प्रबंधन के घटक

आपदा की परिभाषा

आपदा "अचानक आने वाली घटना" या "किसी भी दुर्भाग्यपूर्ण घटना" के रूप में परिभाषित किया जाता है। आपदा "एक ऐसी घटना है जिसका समय अप्रत्याशित है और जिसके परिणाम गंभीर रूप से विनाशकारी होते हैं। आपदाएँ एक विनाशकारी घटनाएँ हैं जिनके परिणामस्वरूप पर्यावरण, पौधे, मानव, जानवर, कला सामग्री, एवं पांडुलिपियों आदि में निहित संपत्ति और ज्ञान का भारी नुकसान होता है।

आपदा समूह	परिभाषा	आपदा के मुख्य प्रकार
भूभौतिकीय घटनाएँ	भूकंप, ज्वालामुखी, सुनामी से उत्पन्न होने वाली	भूस्खलन, सूखा
मौसम विज्ञान	अल्पकालिक, वायुमंडलीय प्रक्रियाओं के कारण होने वाली घटनाएँ	चक्रवात
जल विज्ञान	सामान्य जल में विचलन के कारण होने वाली घटनाएँ	बाढ़
जलवायु	जलवायु परिवर्तनशीलता के लिए	अत्यधिक तापमान, जंगल की आग
जैविक	यह आपदा बैक्टीरिया और विषाक्त पदार्थों से जीवन, जीवों और पांडुलिपियों, संग्रह सामग्री को खतरा है।	महामारी, कीट संक्रमण, पशु, भगदड़
औद्योगिक सामाजिक तकनीकी	औद्योगिक कंपनियों के कारण आपदाएँ, दुर्घटनाएँ, लापरवाही या अक्षमता के कारण, रासायनिक और परमाणु विस्फोट, सापेक्ष आर्द्रता,	आग, भगदड़, बाढ़, कीट संक्रमण, ताप, प्रदूषण, सापेक्ष आर्द्रता

आपदा दो प्रकार की होती है

1. प्राकृतिक आपदाएं और 2. मानव निर्मित आपदाएं

1. प्राकृतिक आपदाएं

- भूविज्ञान: (पृथ्वी की सतह के नीचे की घटनाओं का परिणाम; भूकंप, भूस्खलन, सुनामी और ज्वालामुखी गतिविधि, मलबा/मडफलो)
- मौसम विज्ञान: (बाढ़, चक्रवात, तूफान, लहर का बढ़ना, हिमस्खलन)
- जलवायु विज्ञान : (अत्यधिक तापमान, सूखा और जंगल की आग)
- जैविक: (बीमारी, महामारी और कीट/पशु विपत्तियां)

2. मानव निर्मित / मानवजनित आपदाएं

मानव निर्मित आपदाएँ ऐसी घटनाएँ हैं जो मानवीय गतिविधियों या विकल्पों के कारण होती हैं । मानव निर्मित आपदाएं मानवीय मंशा, त्रुटि या विफल प्रणालियों के परिणामस्वरूप होती हैं। उन्हें आतंकवाद,

तकनीकी खतरों, परिवहन खतरों और पर्यावरणीय दुर्घटनाओं जैसी श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है।

- औद्योगिक: (आपदाएं, औद्योगिक कंपनियों के कारण दुर्घटनाएं, लापरवाही या अक्षमता के कारण; रासायनिक और परमाणु विस्फोट, गैस रिसाव, रासायनिक रिसाव)।
- सामाजिक-प्राकृतिक/ तकनीकी आपदा: यह शब्द उन स्थितियों के लिए प्रयोग किया जाता है जहां मानव गतिविधि बढ़ रही है, ऐसी परिस्थितियों में मानव गतिविधि कुछ खतरों को बढ़ाती है, सामाजिक-प्राकृतिक एवं तकनीकी खतरों को रोकने के लिए उचित प्रशिक्षण और उचित प्रबंधन की व्यवस्था की जानी चाहिए जिससे पांडुलिपियों में निहित ज्ञान और इतिहास को समझदारी से संरक्षित या कम किया जा सकता है।
- युद्ध/ आतंकवाद: आंतरिक संघर्ष, नागरिक अशांति. आतंकवाद को एक ऐसे कार्य के रूप में परिभाषित किया गया है जो राजनीतिक या सामाजिक उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के इरादे से मानव जीवन के लिए हिंसक या खतरनाक है। आतंकवाद का खतरा दुनिया भर के सभी समुदायों को प्रभावित करता है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह के आतंकवादियों ने प्रदर्शित किया है कि उनके पास दुनिया में कहीं भी हमला करने की क्षमता और ज्ञान है। उनका उद्देश्य सामाजिक व्यवस्था और उनकी संपत्ति, ज्ञान, इतिहास को नुकसान पहुंचाना होता है।
- रासायनिक आपदा: एक रासायनिक आपात स्थिति तब होती है जब एक खतरनाक रसायन (गैस, तरल या ठोस) छोड़ा जाता है जो लोगों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने की क्षमता रखता है।
रासायनिक रिलीज अनजाने में हो सकती है, जैसा कि एक औद्योगिक दुर्घटना के मामले में होता है, या जानबूझकर किया गया हो।
- कभी-कभी विषय विशेषज्ञ स्वयं पांडुलिपियों को खराब कर देते हैं, इसलिए संगठन को वर्ष में एक बार अपने आंतरिक कर्मचारियों के लिए भी अद्यतन करना चाहिए।

आपदा निवारण उपाय

1. आपदा प्रबंधन की एक टीम होनी चाहिए जो किसी भी प्रकार की आपदा में सक्रिय हो सके।
2. पुस्तकालय एवं सभी रिकॉर्ड रूम के बाहर सभी विभागों के अधिकारियों एवं अभिलेख कक्षों, आपदा प्रबंधन एवं आवश्यक संपर्क नम्बरों की सूची लगाएं।
3. भवन का लेआउट सामने के दरवाजे के पास होना चाहिए ताकि किसी भी तरह की आपदा की स्थिति में उस तक आसानी से पहुंचा जा सके।
4. उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों के पास पुस्तकालय और रिकॉर्ड रूम नहीं बनाए जाने चाहिए।

5. रिकॉर्ड रूम बेसमेंट या भूतल पर नहीं होना चाहिए क्योंकि किसी भी प्रकार की आपदा की स्थिति में इसे बचाया जा सकता है, क्योंकि बाढ़ आने पर निचली मंजिलें प्रभावित होती हैं।
6. पुस्तकालय एवं अभिलेख कक्ष के भवन एवं अधोसंरचना की जर्जर स्थिति का आंकलन किया जाना चाहिए, यदि संभव हो तो उसकी मरम्मत की जाए ताकि आपके पुस्तकालय की संपत्ति को सुरक्षित रखा जा सके।
7. आपदा की स्थिति में पेशेवर आपदा प्रबंधन टीम को बुलाने से पहले आपदा निवारण के लिए आपदा न्यूनीकरण किट सभी विभागों में प्रदान की जानी चाहिए और विशेष रूप से पुस्तकालय और पांडुलिपि संगठनों के कर्मचारियों को आपदा के मामले में पेशेवर आपदा प्रबंधन टीम द्वारा वर्ष में दो बार प्रशिक्षित किया जाना चाहिए ताकि पांडुलिपियों को सुरक्षित रखा जा सके।
8. सभी पांडुलिपियों को पुस्तकालयों, संग्रहालयों, निजी पांडुलिपि भंडारण और पांडुलिपि संगठनों में डिजिटल और सूचीबद्ध किया जाना चाहिए। 4, 5 स्थानों पर डिजिटाइज्ड कॉपी रखनी चाहिए ताकि किसी भी आपदा की स्थिति में 1 स्थान की पांडुलिपियां नष्ट हो जाएं तो बाकी जगह सुरक्षित रहे।
9. बिजली के जो तार पुराने और ढीले या गलत तरीके से लगाए गए हैं, उनकी बार-बार निगरानी की जानी चाहिए, यदि संभव हो तो भूमिगत फिटिंग की जानी चाहिए।
10. उचित प्रकाश व्यवस्था के लिए एक आपातकालीन बैकअप रखा जाना चाहिए।
11. अभिलेखागार, संग्रहालय, पांडुलिपि पुस्तकालय, और विश्वविद्यालय पुस्तकालय, ओआरआई केंद्र, आदि। ऐसे सभी संगठनों को एक फायर मार्शल से युक्त एक टीम की प्रतिनियुक्ति करनी चाहिए जो आग की जांच और आग की रोकथाम में शामिल एक सार्वजनिक अधिकारी हो, खासकर जहां आगजनी होने का शक किया जाये।
12. अभिलेखागार, संग्रहालयों, पांडुलिपि पुस्तकालयों, और विश्वविद्यालय पुस्तकालयों, ओआरआई केंद्रों आदि में रखी गई सभी मूल्यवान और ज्ञान-समृद्ध सामग्री का बीमा बीमित व्यक्ति द्वारा किया जाना चाहिए। आगजनी जानबूझकर किसी चीज में आग लगाने का अपराध है, खासकर पांडुलिपि पुस्तकालय में।
13. एक रासायनिक आपात स्थिति में, यदि आप किसी ज्ञात या अज्ञात रसायन के संपर्क में आते हैं, तो आपको उस क्षेत्र से दूर हो जाना चाहिए और No. पर जहर नियंत्रण केंद्र पर कॉल करके सहायता प्राप्त करें। 108 या 112 पर कॉल करना या नजदीकी अस्पताल जाना। चूंकि रासायनिक आपात स्थिति किसी भी समय हो सकती है, इसलिए आगे की योजना बना कर रखनी चाहिए ताकि किसी भी आपदा आने से रोका जा सके।
14. एक आकस्मिक आग एक दुर्घटना है जो या तो मानव निर्मित या प्राकृतिक हो सकती है। आकस्मिक आग अक्सर होती है और इसे नियंत्रित किया जा सकता है लेकिन कभी-कभी इससे जान-माल के साथ निजी एवं सरकारी सम्पत्तियों का गंभीर नुकसान हो सकता है। भारत में भी आग की घटनाओं का और उसमें हुए नुकसान का इतिहास रहा है।
15. कभी-कभी विषय वस्तु विशेषज्ञ पांडुलिपियों की स्वयं जांच करते हैं, इसलिए संगठन को अपने आंतरिक कर्मचारियों को वर्ष में एक बार नवीनतम संस्करण के साथ अद्यतन करना चाहिए।